>

Title : Need to set up a Steel Plant in Chhatarpur, Madhya Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): महोदय, मध्य प्रदेश में छतरपुर एवं सागर जिले की सीमा पर हीरापुर से लेकर बक्सवाहा तक पहाड़ों पर बहुत व्यापक मात्रा में खुले में लोहा बिखरा पड़ा है और उसका अभी तक उपयोग नहीं किया गया है। यहां के पत्थरों में जो लोहे का प्रतिशत पाया जाता है, वह देश के विभिन्न स्थानों पर जो स्टील प्लांट लगे हैं, उनसे कई गुणा ज्यादा मात्रा में यहां के पत्थरों में लोहे का प्रतिशत पाया जाता है। यह बुन्देलखंड का दुर्भाग्य है कि लंबे समय से मांग होने के बावजूद भी यहां पर स्टील प्लांट लगाये जाने के प्रति उपेक्षा बरती गयी है। यहां पर जो लोहा पाया जाता है, प्राचीन काल से ही वहां पर परम्परागत तरीके से, सैंकड़ों वर्षों से लोहे का सामान बनाया जाता रहा है। अभी बहुत व्यापक मात्रा में और अवैध तरीके से उस लोहे को इकट्ठा करके चोरी से उसे बेचा जा रहा है। जबकि केंद्र सरकार चाहे तो वहां पर लोहे का कारखाना लगा सकती है, जिससे लोहे की चोरी भी रूक सकती है और लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। इस संबंध में क्षेत्र की जनता के द्वारा काफी लंबे समय से मांग की जा रही है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध है कि इस क्षेत्र में पाये जाने वाले लोहे का सही मायने में उपयोग करने के लिए और चोरी को रोकने के लिए छतरपुर जिले में स्टील प्लांट शीघ्र ही लगाया जाये, जिससे यहां के लोगों को रोजगार भी मिल सके और लोहे की चोरी भी रूक सके।